निदेशकों की रिपोर्ट

निदेशक मण्डल 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष हेतु लेखापरीक्षित तुलनपत्र और लाभ एवं हानि लेखा सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

1. कारोबार परिचालन

बैंक का कुल कारोबार पिछले वर्ष के 1,67,434 करोड़ रुपए की तुलना में 31 मार्च, 2010 को 2,00,000 करोड़ रुपए का लक्ष्य पार करके तक 2,04,442 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बैंक की कुल जमाराशियां 120258 करोड़ रुपए रहीं जिनमें 22.25% की वृद्धि दर्ज करते हुए 21,889 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। जमा लागत 6.57% रही। बैंक ने बल्क जमाराशियां न लेने और इनके स्थान पर सामान्य दर पर तथा निम्न लागत वाली जमाराशियां लेने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया ताकि बल्क जमाराशियों के स्तर को कम किया जा सके। बल्क जमाराशियों का प्रतिशत 31.03.2009 को 21.42% से घटकर 31.03.2010 को 21.37% रह गया। दूसरी ओर, निवल अग्रिम मार्च, 2010 के अंत में 21.88% की वृद्धि दर्ज करते हुए 83489 करोड़ रुपए रहे। राजकोषीय वर्ष 2009–10 के दौरान, अग्रिमों पर आय पिछले वर्ष के 10.82% से घटकर 10.20% रह गई। बैंक द्वारा अग्रिमों पर आय बढ़ाने के लिए एसएमई, मध्यम कारपोरेट तथा रिटेल क्षेत्र को ऋण देने के साथ–साथ ब्याज की आधार दर लागू किए जाने से अग्रिमों पर आय में सुधार होगा।

बैंक का ऋण जमा अनुपात मार्च, 2010 के अंत में 70.22% रहा। बैंक ने अर्थव्यवस्था के उत्पादनपरक क्षेत्रों को उपयुक्त एवं पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिश्चित किया। बैंक का ऋण एवं अग्रिम संविभाग सुविस्तृत और संतुलित है। बैंक ने सुनिश्चित किया कि पूँजी बाजार, स्थावर संपदा, एनबीएफसी आदि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को दिए गए ऋण नियामक तथा विवेकपूर्ण सीमा के अन्दर हैं।

2. पूंजी और आरक्षित निधि

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक ने 2009–10 के लाभ में से 868.19 करोड़ रुपए आरक्षित निधियों में अंतरित किए (जिनमें 284.00 करोड़ रुपए सांविधिक आरक्षित निधि, 411.00 करोड़ रुपए राजस्व तथा अन्य आरक्षित निधि और 173.19 करोड़ रुपए पूंजी आरक्षित निधि में अंतरित किए गए)। इससे 31 मार्च, 2010 को बैंक की पूंजी एवं आरक्षित निधियां मार्च, 2009 के 7403.45 करोड़ रुपए से बढ़कर 8237.95 करोड़ रुपए हो गईं तथा औसत कार्यशील निधि में पूंजी एवं आरक्षित निधि का अनुपात 31.03.2010 को 6.61% रहा जबकि 31 मार्च, 2009 को यह 7.17% था।

3. पूंजी पर्याप्तता अनुपात

31 मार्च, 2010 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बासेल-II के अंतर्गत 31 मार्च, 2009 के (बासेल-II के अंतर्गत) 12.98% की तुलना में 12.54% रहा। यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9.0% की न्यूनतम नियामक अपेक्षा से काफी अधिक है।

4. वित्तीय कार्यनिष्पादन

राजकोषीय वर्ष 2009–10 के दौरान बैंक की कुल आय पिछले वर्ष की 9927.79 करोड़ रुपए की तुलना में 11457.17 करोड़ रुपए रही और इसमें 1529.38 करोड़ रुपए की वृद्धि (15.41% की वृद्धि) हुई। बैंक का परिचालन लाभ 45.00% की वृद्धि दर्ज करता हुआ पिछले वर्ष के 1669.98 करोड़ रुपए की तुलना में 2421.50 करोड़ रुपए रहा। राजकोषीय वर्ष 2009–10 के दौरान सभी अपेक्षित प्रावधान करने के बाद बैंक का निवल लाभ 244.26 करोड़ रुपए (27.43% की वृद्धि) की वृद्धि दर्ज करते हुए 1134.68 करोड़ रुपए रहा।

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting this Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the Year ended 31 st March, 2010.

1. BUSINESS OPERATIONS

The Business of the Bank crossed Rs. 200000 crore mark and stood at Rs. 204442 crore on March 31st 2010 as against Rs. 167434 crores in the previous year. Total deposits of the Bank stood at Rs. 120258 crore and has shown an increase of Rs. 21889 crore depicting a growth of 22.25%. Cost of deposit stood at 6.57%. The Bank has taken conscious decision of shedding high cost bulk deposits and substituting the same with normal rate and lower cost deposits so as to contain the level of bulk deposits. The percentage of bulk deposits has declined marginally from 21.42% as on 31.03.2009 to 21.37% as on 31.03.2010. On the other hand, net advances as at end-March 2010 stood at Rs. 83489 crore, registering a growth of Rs. 21.88%. During the fiscal 2009-10, yield on advances has declined to 10.20% from previous year's level of 10.82%. The measures taken up by the bank to improve yield on advances through lending to SME, Mid Corporate and Retail sector besides implementation of Base Rate would enable the bank to improve yield on advances.

The credit deposit ratio of the Bank, as at end-March 2010, stood at 70.22% . The Bank ensured adequate flow of credit to the productive sectors of the economy. The Loans & Advances portfolio of the bank is well diversified and balanced. The Bank has ensured that its exposure to sensitive sectors such as Capital Markets, Real Estate, NBFCs etc. is well within the regulatory & prudential cap.

2. CAPITAL & RESERVES

During the year, the bank transferred a sum of Rs. 868.19 crore to Reserves (which includes Rs. 284.00 crore transferred to Statutory Reserves, Rs. 411.00 crore to Revenue and other Reserves, Rs. 173.19 crs. to Capital Reserves) out of the profit for the year 2009-10. With this, capital & reserves as on March 31, 2010 have gone upto Rs.8237.95 crore as against Rs. 7403.45 crore as at end March 2009 and the ratio of Capital & Reserves to average working funds stood at 6.61% as on 31.03.2010 as against 7.17% as on 31st March 2009.

3. CAPITAL ADEQUACY RATIO

As on March 31. 2010 the Capital Adequacy Ratio of the Bank under Basel –II stood at 12.54% as against 12.98% as on 31st March, 2009(under Basel-II). This is well above the regulatory minimum requirement of 9.0%.

4. FINANCIAL PERFORMANCE

The Bank has posted a total income of Rs. 11457.17 crore during the year as against Rs. 9927.79 crore last year thus registering an increase of Rs. 1529.38 crore (a growth of 15.41%) during the fiscal 2009-10. Operating Profit of the Bank went upto Rs. 2421.50 crore as against Rs. 1669.98 crore last year showing a growth of 45.00%. The Bank has made a net profit of Rs. 1134.68 crore, after making all requisite provisions showing an increase of Rs. 244.26 crore (growth of 27.43%) during the fiscal 2009-10.

निवल लाभ में से विनियोजन निम्न तालिका के अनुसार किया गया है:

तालिका : वित्तीय कार्यनिष्पादन

(करोड़ रु० में)

	31.03.2010	31.03.2010
ब्याज आय	10257.13	8856.47
अन्य आय	1200.04	1071.32
कुल आय	11457.17	9927.79
प्रदत्त ब्याज	7349.69	6859.97
परिचालन व्यय	1685.98	1397.84
कुल व्यय	9035.67	8257.81
परिचालन लाभ	2421.50	1669.98
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	1286.82	779.56
निवल लाभ	**1134.68**	**890.42**
जोड़िए: आगे लाया गया लाभ	0.83	0.51
घटाइए: बट्टे खाते डाला गया समामेलन समायोजन	--	--
विनियोजन हेतु उपलब्ध निवल लाभ	**1135.51**	**890.93**
विनियोजन		
सांविधिक आरक्षित निधि में अंतरण	284.00	227.00
राजस्व तथा अन्य आरक्षित निधि में अंतरण	351.00	21.00
आयकर अधिनियम की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत विशेष आरक्षित निधि में अंतरित	60.00	86.00
पूंजी आरक्षित निधि में अंतरण	173.19	342.12
प्रस्तावित लाभांश	227.99	182.90
लाभांश पर कर	38.75	31.08
तुलनपत्र में ले जाया गया शेष	0.58	0.83

5. लाभांश

आपके बैंक की लाभांश घोषित करने की नीति शेयरधारकों को उचित प्रतिफल देने तथा स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने और भावी विकास में सहयोग करने हेतु लाभ के पुनर्निवेश पर आधारित है। तदनुसार, आपके निदेशक 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए 91% (अर्थात् 9.10 रुपए प्रति शेयर) का कुल लाभांश प्रदान करने का सहर्ष प्रस्ताव करते है जबकि पिछले वर्ष यह 73% (अर्थात् 7.30 रुपए प्रति शेयर) था।

6. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण का क्षेत्रवार नियोजन

बैंक द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में 31.68% की वृद्धि दर्ज करते हुए 7068.54 करोड़ रु. की वृद्धि हुई, जो मार्च, 2009 के 22315.07 करोड़ रुपए, से बढ़कर मार्च, 2010 में 29383.61 करोड़ रुपए हो गए। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम 40% की अपेक्षा की तुलना में बैंक के समायोजित निवल बैंक ऋणों (एएनबीसी) के 42.90% रहे। मार्च, 2009 तथा मार्च, 2010 के अंत में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के विभिन्न खंडों के अंतर्गत अग्रिमों की तुलनात्मक स्थिति निम्नानुसार है:

Appropriation from the Net Profit have been effected as per table given below:-

Table : Financial Performance

(Rupees in crore)

	31.03.2010	31.03.2009
Interest Income	10257.13	8856.47
Other Income	1200.04	1071.32
Total Income	11457.17	9927.79
Interest Paid	7349.69	6859.97
Operating Expenses	1685.98	1397.84
Total Expenses	9035.67	8257.81
Operating Profit	2421.50	1669.98
Provisions & Contingencies	1286.82	779.56
Net Profit	**1134.68**	**890.42**
Add-Profit brought forward	0.83	0.51
Less-Amalgamation adjustment Written-off	--	--
Net Profit available for appropriation	**1135.51**	**890.93**
APPROPRIATION		
Transfer to Statutory reserve	284.00	227.00
Transfer to Revenue and Other reserves	351.00	21.00
Transfer to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of I-T Act	60.00	86.00
Transfer to capital reserve	173.19	342.12
Proposed Dividend	227.99	182.90
Tax on Dividend	38.75	31.08
Balance carried over to Balance Sheet	0.58	0.83

5. DIVIDEND

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the share holders as well as to plough back profit for maintaining a healthy capital adequacy ratio & for supporting future growth. Accordingly, your Directors are pleased to propose a total dividend of 91% (i.e Rs. 9.10 per share)for the year ended 31st March, 2010 as against 73%(i.e. Rs. 7.30 per share) paid for the preceding year.

6. SECTORAL DEPLOYMENT OF CREDIT TO PRIORITY SECTOR

Bank's advances to priority sector increased by Rs. 7068.54 crore from Rs. 22315.07 crore in March 2009 to Rs. 29383.61 crore in March 2010 registering a growth of 31.68%. The Priority Sector Advances constituted 42.90% of the Adjusted Net Bank Credit (ANBC) against the stipulation of 40%. The comparative position of advances under various segments under Priority Sector as at the end of March 2009 and March 2010 is as follows:

(करोड़ रु० में)

क्र. सं.	क्षेत्र	मार्च, 2009	मार्च, 2010
1	प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण	22315.07	29383.61
2	कृषि	8614.03	11267.51
3	प्रत्यक्ष कृषि	4644.43	6564.47
4	अप्रत्यक्ष कृषि	3969.60	4703.04
5	लघु उद्योग/लघु उद्यम	5576.33	10868.81
6	शिक्षा ऋण	767.97	942.72
7	आवास ऋण	6197.17	6258.03
8	अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	1159.57	46.54

6.1 कृषि अग्रिम

कृषि क्षेत्र को बैंक के अग्रिमों में 30.80% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2653.48 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो मार्च, 2009 के 8614.03 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2010 में 11267.51 करोड़ रुपए हो गए। प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में 41.34% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1920.04 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो 31.03.2009 के 4644.43 करोड़ रुपए से बढ़कर 31.03.2010 को 6564.47 करोड़ रुपए हो गए। अप्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में 18.48% की वृद्धि दर्ज करते हुए 733.44 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो 31.3.2009 के 3969.60 करोड़ रुपए से बढ़कर 31.3.2010 को 4703.04 करोड़ रु. हो गए।

6.1.1 कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह (नए संवितरण)

वित्त वर्ष 2009–10 के दौरान कृषि क्षेत्र को 4937.07 करोड़ रु. के ऋण दिए गए। इस वर्ष के दौरान कुल 207517 नए कृषि ऋण खाते खोले गए। इनमें प्रति ग्रामीण व अर्धशहरी शाखा औसतन 305 नए कृषि ऋण खाते जोड़े गए।

6.1.2 हाई–टैक डेरी

बैंक हाई–टैक वाणिज्यिक डेरी योजना के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा राज्यों में ग्रामीण युवाओं को स्व–रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु ऋण प्रदान कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत पंजाब डेरी विकास बोर्ड/पशु पालन एवं डेरी विभाग हरियाणा बेरोजगार युवकों को उनके कौशल उन्नयन के लिए एक माह का प्रशिक्षण देता है। 31.03.2010 को 661 इकाइयों में 77.32 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी।

6.1.3 ओरियन्टल सौर ऊर्जा दोहन योजना

जीवाश्म ईंधन संसाधन सीमित मात्रा में हैं तथा तेजी से घट रहे हैं। गरीब व्यक्ति घरों में रोशनी के लिए मिट्टी का तेल इस्तेमाल करते हैं। ग्रिड इलैक्ट्रिक पावर आपूर्ति न होने के कारण ग्रामीण लोगों को घर में रोशनी करने में कठिनाई होती है। यदि बिजली की आपूर्ति होती भी है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में बार–बार बिजली की कटौती तथा कम वोल्टेज की समस्या लगातार बनी रहती है। इन समस्याओं से निपटने के लिए, बैंक ऊर्जा के पारम्परिक स्रोत के व्यावहारिक विकल्प के रूप में, सौर जल तापन और प्रकाशन पद्धति के वित्तपोषण हेतु एक योजना को क्रियान्वित कर रहा है। यह योजना व्यक्तिगत, संस्थागत, वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रयोक्ताओं के लिए उपलब्ध है।

बैंक आईआरईडीए की एमएनआरई योजना के अंतर्गत ऊर्जा जल तापन पद्धति के लिए भी ऋण प्रदान कर रहा है। बैंक ने एमएनआरई गठबंधन के अंतर्गत ऊर्जा जल तापन पद्धति के लिए 4.78 लाख रु० के ऋण प्रदान किए और

(Amount Rs. in crore)

S. No.	Sectors	March 2009	March 2010
1.	Priority sector credit	22315.07	29383.61
2.	Agriculture	8614.03	11267.51
3.	Direct Agriculture	4644.43	6564.47
4.	Indirect Agriculture	3969.60	4703.04
5.	SSI / SE	5576.33	10868.81
6.	Educational Loan	767.97	942.72
7.	Housing Loan	6197.17	6258.03
8.	Other P.S.	1159.57	46.54

6.1 Agriculture Advances

Bank's advances to agriculture increased by Rs.2653.48 crore from Rs.8614.03 crore in March 2009 to Rs.11267.51 crore in March 2010, registering a growth of 30.80%. The advances to direct agriculture segment increased by Rs.1920.04 crore from Rs.4644.43 crore as on 31.3.2009 to Rs.6564.47 crore as on 31.3.2010 constituting a growth of 41.34%. The Indirect agriculture advances increased by Rs.733.44 crore from Rs.3969.60 crore as on 31.3.2009 to Rs.4703.04 crore as on 31.3.2010 showing an increase of 18.48%.

6.1.1 Flow of credit to Agriculture sector (Fresh disbursement)

During the financial year 2009-10, fresh flow of credit to agriculture sector amounted to Rs. 4937.07 crore. During the year, a total of 207517 new agriculture loan accounts were added. There was an average addition of 305 new agriculture loan accounts per rural and semi-urban branch.

6.1.2. Hi-Tech Dairy

The bank is providing credit to rural youths for their self employment under Hi Tech commercial dairy scheme in Punjab & Haryana states. Under the scheme Punjab Dairy Development Board / Animal Husbandry & Dairying department Haryana impart one month training to unemployed youth for their skill up gradation. As on 31.3.10, an amount of Rs. 77.32 Crore has been sanctioned to 661 units.

6.1.3. Oriental Saur Urja Dohan Scheme

The fossil fuel resources are limited in quantity and are fast depleting. The poor use Kerosene as common fuel for lighting. The rural people face problem of home lighting due to non-availability of grid electric power supply. Even if there is power supply, frequent load shedding and low voltage is a regular phenomenon in rural areas. To overcome these problems the bank is implementing a scheme for financing solar water heating & lighting system, for creating a viable alternate to conventional source of energy. The scheme is open to individual, institutional, commercial and industrial users.

Bank is also providing loan for solar water heating system, under MNRE scheme of IREDA. The bank finance for Solar Water Heating System amounted to Rs.4.78 Lac under MNRE tie up arrangement

बैंक ने वर्ष के दौरान 0.82 लाख रु० की इमदाद राशि का दावा किया।

6.1.4 लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई)

मार्च, 2010 के अंत में बैंक द्वारा लघु उद्यम क्षेत्र को दिए गए अग्रिम 10868.80 करोड़ रुपए रहे और इनमें 94.91% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 5292.47 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, एसएमई अग्रिम वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 20% की अपेक्षित वृद्धि की तुलना में 81.11% की वृद्धि दर्ज करते हुए 5629.96 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 12571.29 करोड़ रुपए हो गए। अति लघु/सूक्ष्म (माइक्रो) क्षेत्र के अग्रिम 139.77% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1962.30 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3366.23 करोड़ रुपए हो गए।

बैंक ने ऋण देने हेतु ऋण प्रस्तावों की आउटसोर्सिंग के लिए एनएसआईसी के साथ समझौता किया। बैंक ने अपने एसएमई ऋणियों को कम दर पर व्यापक रेटिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए एसएमई रेटिंग एजेंसी आफ़ इंडिया लि० (समेरा) के साथ समझौता व्यवस्था की।

6.1.5 ओरियन्टल ग्रीन कार्ड (किसान क्रेडिट कार्ड) एवं ओरियन्टल किसान गोल्ड कार्ड (ओकेजीसी)

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा किसानों को फसल उत्पादन, कृषि मशीनरी एवं संयंत्रों की मरम्मत, संबंद्ध क्रियाकलापों हेतु कार्यशील पूँजी हेतु ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने, गैर–संस्थापरक साहूकारों से लिए गए पुराने ऋण चुकाने व उपभोग आवश्यकताओं के लिए ऋण प्रदान करने की दृष्टि से 83,885 कार्ड जारी किए गए। वर्ष के दौरान इन कार्डों के जरिए 1278.47 करोड़ रु. के ऋण संवितरित किए गए। वित्तीय वर्ष 2009–2010 के अंत में किसानों को जारी किए गए कार्डों की कुल संख्या बढ़कर 652528 हो गई।

6.1.6 ओरियन्टल बैंक ग्रामीण परियोजना (ओबीजीपी)

बैंक अपने स्तर पर विकसित सूक्ष्म वित्त माडल अर्थात् ओरियन्टल बैंक ग्रामीण परियोजना के अंतर्गत निर्धन ग्रामीणों को वित्त प्रदान कर रहा है। यह संयुक्त देयता समूह अवधारणा, जिसमें प्रत्येक समूह में 5 सदस्य, विशेषकर महिलाएं शामिल हैं, के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

बैंक ने 3745 स्वयं सहायता समूह बनाए हैं जिनकी 280 गांवों के जरिए 17340 गरीब परिवारों तक पहुंच है। मार्च, 2010 के अंत तक इन समूहों को दिए गए अग्रिमों की कुल राशि 28.36 करोड़ रुपए रही । इन स्वयं सहायता समूहों द्वारा 13.11 करोड़ रुपए की बचत राशि जुटाई गई है।

बैंक ने भारतीय जीवन बीमा कंपनी (एलआईसी) की सामाजिक सुरक्षा समूह बीमा योजना जनश्री बीमा योजना में भी भाग लिया। जनश्री बीमा योजना को असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के जीवन तथा दुर्घटना को कवर करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था। बैंक ने दिसंबर, 2008 माह में योजना आरंभ की थी तथा 31.03.2010 की स्थिति के अनुसार 481 स्वयं सहायता समूहों के 1706 सदस्यों को योजना के अंतर्गत कवर किया।

6.1.7 कमजोर वर्ग को अग्रिम

कमजोर वर्गों को जिनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमांत किसान, भूमिहीन श्रमिक, ग्रामीण शिल्पकार, सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं (पीएमआरवाई को छोड़कर), के लाभग्राही शामिल हैं, दिए गए अग्रिम मार्च, 2009 के अंत में 3018.71 करोड़ रु० से बढ़कर मार्च, 2010 के अंत में 4131.25 करोड़ रुपए हो गए।

6.1.8 विभेदक ब्याज दर योजना के अंतर्गत ऋण

मार्च, 2010 के अंत तक ग्रामीण एवं शहरी इन दोनों क्षेत्रों में, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय क्रमश रू 18,000/–रुपए तथा 24,000/– रुपए तक है,

and bank claimed subsidy of Rs.0.82 Lac during the year.

6.1.4. Small and Medium Enterprises (SMEs)

Bank's exposure to Small Enterprises sector stood at Rs.10868.80 crore at the end of March 2010 and has shown an increase of Rs..5292.47 crore, recording a growth rate of 94.91%. Further, SME advances increased by Rs. 5629.96 crore to Rs.12571.29 crore registering a growth of 81.11% against the Year on Year growth stipulation of 20%. The Tiny/ Micro sector advances increased by Rs.1962.30 crore to Rs.3366.23 crore posting a growth of 139.77%.

Bank has entered into a MOU with NSIC for outsourcing credit proposals for lending. The Bank has entered into a tie-up arrangement with SME Rating Agency of India Ltd. (SMERA) for providing comprehensive rating services of SMEs borrowers of the Bank at subsidized rates.

6.1.5. Oriental Green Card (Kisan Credit Card) & Oriental Kisan Gold Card (OKGC)

During the Financial Year 2009-10, Bank has issued 83,885 cards to farmers to meet their credit requirement for crop production, repairing of agricultural machinery & equipment, working capital for allied activities, to repay their old debts taken from non institutional money lenders and consumption needs. The total amount of loan disbursed through these cards during the year was Rs.1278.47 crore. At the end of financial year 2009-10, the total number of cards issued to farmers rose to 652528.

6.1.6. Oriental Bank Grameen Project (OBGP)

Bank is providing finance to rural poor under home grown model of micro finance viz. Oriental Bank Grameen Project. It is being implemented through Joint Liability Group concept consisting of 5 members in each group, preferably women.

The Bank has formed 3745 Groups reaching out to 17340 poor families spread across 280 villages. The cumulative amount advanced to these groups as at the end of March 2010 was Rs. 28.36 crore. Savings to the tune of Rs. 13.11 crore have been mobilized by the groups.

Bank has also participated in the Janashree Bima Yojana a social security group insurance scheme of Life Insurance Company of India (LIC). The JBY scheme was launched with the aim of providing life and accidental cover to women belonging to the un-organised sector. The scheme was launched by Bank in the month of December 2008 and as on 31.03.2010, 1706 members of 481 SHGs were covered under the scheme.

6.1.7. Advances to Weaker Sections

Advances to weaker sections, consisting of beneficiaries belonging to scheduled castes/scheduled tribes, small and marginal farmers, landless labourers, rural artisans, beneficiaries under Govt. Sponsored schemes (except PMRY) were of the order of Rs. 4131.25 crore as a the end of March 2010 as against Rs. 3018.71 crore as at the end of March 2009.

6.1.8. Credit under Differential Rate of Interest Scheme

Credit flow at concessional rate of interest of 4% p.a. to the low-income group of the society both in rural having annual family income upto Rs. 18,000/- and urban having annual family income upto Rs.

को 4% वार्षिक की रियायती ब्याज दर पर 90.06 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान किए गए।

6.1.9 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों को ऋण

बैंक द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभग्राहियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने पर जोर दिया जाता रहा। बैंक द्वारा समाज के इन वर्गों के दिए गए अग्रिम मार्च, 2009 के 483.03 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2010 में 591.22 करोड़ रुपए हो गए।

6.1.10 प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमइजीपी)

यह योजना भारत सरकार द्वारा दो मौजूदा योजनाओं अर्थात् पीएमआरवाई और आरईजीपी को मिलाकर 1 अप्रैल 2008 से कार्यान्वित की गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी दोनो क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यम स्थापित करके रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा वर्ष 2009–10 के दौरान 1653 आवेदकों को 62.45 करोड़ रुपए की ऋण सहायता प्रदान की गई।

6.1.11 स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई)

शहरी बेरोजगार युवकों (गरीबी रेखा से नीचे रह रहे) को लाभप्रद रोजगार मुहैया करवाने की दृष्टि से स्वरोजगार उद्यमों की स्थापना करके बैंक इस योजना के प्रारंभ से ही उक्त योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। बैंक ने वर्ष 2009–10 के दौरान 2244 लाभग्राहियों को 6.88 करोड़ रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की।

6.1.12 स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई)

यह योजना देश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही है और इसमें स्वरोजगार संबंधी पहलू जैसे, ग्रामीण निर्धनों को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित करना, प्रशिक्षण, ऋण, प्रौद्योगिकी, मूलभूत सुविधाएं व मार्किटिंग शामिल हैं। बैंक इस योजना में भाग ले रहा है। वर्ष 2009–10 के दौरान, बैंक ने 3227 स्वरोजगारियों को 13.60 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी।

6.1.13 महिला लाभग्राहियों को ऋण

महिलाएं बड़ी जिम्मेवारियां संभाल रही हैं तथा देश के आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहीं हैं परन्तु देश की वित्तीय संस्थाओं से ऋण नहीं ले पाती हैं। अतः महिलाओं को अधिकाधिक ऋण प्रदान करने के लिए बैंक ने भारत सरकार के निर्देशानुसार 13 सूत्री कार्य योजना को कार्यान्वित किया है। बैंक ने महिला उद्यमियों के लिए विशेषीकृत शाखाओं के रूप में 10 शाखाओं को नामित किया है।

बैंक द्वारा ओरियन्टल महिला विकास योजना, व्यावसायिक एवं स्वनियोजित महिलाओं के लिए ऋण योजना,ब्यूटी पार्लरों/बुटीक/सैलूनों/दर्जी की दुकानों के लिए ऋण योजना, कामकाजी महिलाओं को वित्तीय सहायता हेतु योजना, ओरियन्टल स्वर्ण योजना आदि जैसी कई ऋण योजनाएं महिलाओं के लिए विशेष रुप से तैयार की गईं हैं। इसके अलावा, ओरियन्टल बैंक ग्रामीण प्रोजेक्ट (ओबीजीपी) नामक एक विशेष योजना में ग्रामीण निर्धन महिलाओं को सभी प्रकार की बैंकिंग सहायता प्रदान की जाती है।

इसके परिणामस्वरुप, बैंक द्वारा महिलाओं को दिए गए अग्रिमों में 24.86% की वृद्धि दर्ज करते हुए 736.15 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो मार्च, 2009 के अंत में 2920.54 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2010 में 3646.69 करोड़ रुपए हो गए। महिला लाभग्राहियों को दिए गए बैंक अग्रिम 5% के लक्ष्य के मुकाबले मार्च, 2010 को एएनबीसी का 5.32% थे।

6.1.14 वित्तीय समावेशन

औपचारिक वित्तीय क्षेत्र से वंचित समाज के विभिन्न वर्गों को बैंकिंग सुविधाएं

24,000/- centres was Rs. 90.06 crore as at the end of March 2010.

6.1.9. Loans to SCs/STs

Bank continues its thrust in providing financial assistance to SCs/ STs beneficiaries. The advances to these beneficiaries improved to Rs.591.22 crore in March 2010 against Rs. 483.03 crore as at the end of March 2009.

6.1.10. Prime Minister Employment Generation Programme (PMEGP)

The Scheme has been implemented by the Government of India by merging the two existing schemes viz. PMRY and REGP w.e.f. 1st April 2008. The scheme aims for generation of employment opportunities through establishment of micro enterprises in rural as well as urban areas. The bank has provided financial assistance to the tune to Rs.62.45 crores to 1653 applicants under the scheme during the year 2009-10.

6.1.11. Swaran Jyanti Shahri Rojgar Yojana (SJSRY)

For providing gainful employment to urban poor (living below the urban poverty line) through setting up self employment ventures, bank is providing financial assistance under the scheme since its inception. The bank financed to 2244 beneficiaries to the tune of Rs.6.88 crores during 2009-10.

6.1.12. Swarn Jyanti Gram Swarojgar Yojana (SGSY)

The scheme is operative in rural areas of the country and cover the aspects of self employment such as organization of rural poor into Self Help Group (SHGs) training credit technology, infrastructure and marketing. The bank is participating in the schemes. During 2009-10 bank provided financial assistance to 3227 swarojgaries to the tune of 13.60 crore.

6.1.13. Credit Flow to Women Beneficiaries

Women are assuming greater responsibilities and playing an active role in the economic growth of the nation but remain under represented while receiving the credit delivery from the Financial Institutions of the country. So for strengthening of credit flow to women, Bank has implemented 13-points action plan as advised by the Government of India. Bank has designated 10 branches as specialized branches for women entrepreneurs.

A number of credit schemes, such as Oriental Mahila Vikas Yojana, Loan scheme for Professional & Self Employed Women, Loan scheme for Beauty Parlour/ Boutiques/ Saloons/ Tailoring, Scheme for Financing Working Women, Oriental Swaran Yojana etc. are designed by the bank especially for women. Besides, a special project called Oriental Bank Grameen Project (OBGP) provides all types of banking assistance to the rural poor women.

As a result the Bank's advance to women increased by Rs. 736.15 crore from Rs. 2920.54 crore as on March 2009 to Rs. 3646.69 crore as on March 2010 registering a growth of 24.86%. Bank's advances to women beneficiaries as on March 2010 was 5.32% of ANBC against the required stipulation of 5%.

6.1.14. Financial Inclusion

With a view to provide banking facilities to the sections of society

प्रदान करने की दृष्टि से, बैंक वित्तीय समावेशन की नीति को कार्यान्वित कर रहा है। बैंक ने वित्तीय समावेशन हेतु त्रिआयामी नीतियां अपनाई हैं। पहली, बैंक की ग्रामीण शाखाओं ने वित्तीय समावेशन हेतु ग्रामों को अंगीकार किया। दूसरे, बैंक के दोनों अग्रणी जिलों ने स्वेच्छा से 100% वित्तीय समावेशन हेतु पहल की। तृतीय, बैंक की शाखाओं ने संबंधित एसएलबीसी द्वारा चयनित जिलों में भाग लिया।

गांव अंगीकार योजना के अंतर्गत बैंक ने मार्च 2010 तक 2162 गांवों को अंगीकार किया जिसमें 1426240 परिवार हैं। बैंक ने 1958 गांवों जिनमें 1130942 परिवार हैं में 100% वित्तीय समावेशन प्राप्त करते हुए सामान्य जमा/ऋण योजना के अंतर्गत 676476 खाते व नो–फ्रिल बचत योजना के अंतर्गत 216663 खाते खोले।

बैंक के अग्रणी जिले फिरोजपुर में 997 ग्रामों और 156 वार्डो जिनमें 2,89,896 घर हैं, 100% वित्तीय समावेशन पूरा किया गया और 68747 नो–फ्रिल खाते खोले। श्रीगंगानगर जिले में बैंक ने 3031 ग्रामों और 231 वार्डों, जिनमें 3,22,270 घर हैं, में 100% वित्तीय समावेशन पूरा किया और 109,552 नए खाते खोले।

इसके अतिरिक्त बैंक ने 7 जिलों अर्थात् मुक्तसर, दिल्ली, श्रीगंगानगर, फिरोज़पुर, अमृतसर, गुरुदासपुर और देहरादून में स्मार्ट कार्ड प्रदान करके वित्तीय समावेशन कार्यान्वित करने का पायलेट प्रोजेक्ट शुरु किया है। अब तक 124283 स्मार्ट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा अमृतसर के 6 ब्लाकों अर्थात् जांडियालगुरु, हर्षाछीना, वेरका, चोगवान, रैय्या और तरसिक्का में भी वित्तीय समावेशन पायलेट प्रोजेक्ट लागू किया गया है।

6.1.15 अग्रणी बैंक उत्तरदायित्व

बैंक तीन जिलों अर्थात् पंजाब के फिरोजपुर, राजस्थान के श्रीगंगानगर और हरियाणा के पलवल जिले में अग्रणी बैंक होने का उत्तरदायित्व निभा रहा है।

6.1.16 ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास

बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए देश के विभिन्न स्थलों पर प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष प्रयोजन संस्था, ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास (ओबीसीआरडीटी) की स्थापना की है। इस न्यास की स्थापना 09 दिसंबर, 2005 को एक पंजीकृत निकाय के रूप में हुई।

इस न्यास का प्रमुख उद्देश्य किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीकों, ट्रैक्टर/कृषि मशीनरी के मरम्मत व रखरखाव तथा कृषि/ग्रामीण विकास के अन्य पक्षों, सूक्ष्म वित्त तथा ग्रामीण युवकों एवं महिलाओं की क्षमता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए कॉलेज/संस्थान तथा कार्यशालाओं की स्थापना करना है

इस समय देहरादून, श्रीगंगानगर, जयपुर और फिरोजपुर में चार ओबीसी आरसेटी (ओबीसी) ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, कार्यरत हैं।

हमें चौमू (जयपुर), राजस्थान और जीरा (फिरोजपुर), पंजाब में राज्य सरकार द्वारा जमीन आबंटित की गई है जहां संपूर्ण प्रशिक्षण क्रेन्द्र बनाए जा रहे हैं और इनका निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। भारत सरकार ने इन केन्द्रों के निर्माण के लिए 2 करोड़ रु० की राशि स्वीकृत की है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश अन्य दो राज्य हैं, जहां न्यास की योजना निकट भविष्य में प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करने की है।

वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान कुल 176 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और 6694 उम्मीदवारों को टेलरिंग एवं ड्रेस डिजाइनिंग, जलसंभरण प्रबंधन, फुलकारी, कढ़ाई, दूधारू पशुपालन, फसल उत्पादन, ब्यूटी पार्लर, चिकित्सीय

so far deprived from the formal financial sector, bank implemented financial inclusion policy. Bank adopted three pronged strategies for financial inclusion. First, rural branches of the bank adopted villages for financial inclusion. Second, both Lead Districts of the bank volunteered for 100% financial inclusion. Third, banks branches participated in districts identified by the respective SLBCs.

Under village adoption scheme as on March, 2010, bank adopted 2162 villages having 1426240 households. Bank has achieved 100% financial inclusion in 1958 villages covering 1130942 households and opened 6,76,476 accounts under normal deposit/loan schemes and 2,16,663 accounts under no-frills savings scheme.

In Bank's Lead District of Ferozepur, completed 100% financial inclusion in 997 villages and 156 wards having 2,89,896 households and opened 68747 no-frills accounts. In Sriganganagar District, Bank completed 100% financial inclusion in 3031 villages and 231 wards having 3,22,270 households and opened 109,552 new accounts.

Further, Bank has started project of implementing Financial Inclusion by providing smart cards in 7 districts initially namely Muktsar, Delhi, Sriganganagar, Ferozpur Amritsar, Gurdaspur and Dehradun. 124283 smart cards have already been issued. Further the project for Financial Inclusion has been extended to 6 blocks in Amritsar namely Jandiala Guru, Harsha Chhina, Verka, Chogawan, Rayya and Tarsikka.

6.1.15. Lead Bank Responsibility

Bank is performing the functions of Lead Bank in three Districts namely Ferozpur in Punjab, Sriganganagar in Rajasthan and Palwal in Haryana.

6.1.16. OBC Rural Development Trust

Bank has set up a special purpose vehicle in the name of Oriental Bank Rural Development Trust (OBCRDT) for setting up Training Centres at various places across the country for imparting training for capacity building in rural areas. The Trust came into being on the 9 December 2005 as a registered body.

The main objective of the Trust is to establish training colleges/institutes and workshops for providing training for farmers on modern techniques of farming, tractor/farm machinery repair & maintenance and other aspects of agriculture/rural development; micro finance and capacity building of the rural youth and women.

Presently four OBCRSETIs (OBC Rural Self Employment Training Institutes) are functional at Dehradun, Sriganganagar, Jaipur and Ferozepur.

We have been allotted land by the State Government in Chomu (Jaipur), Rajasthan and Zira (Ferozepur), Punjab where full-fledged training centres are being constructed and construction work has started in full swing. Govt of India has sanctioned an amount of Rs. 2 crores for constructions of these centres. Haryana and Uttar Pradesh are other two states where the Trust plans to set up training centres in the near future.

During the Financial Year 2009-10, a total of 176 training programmes were conducted and 6694 candidates were given training on subjects like tailoring & dress designing, watershed management, phulkari embroidery, milch animal rearing, crop

वृक्षारोपण आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिए गए। कुल 2323 प्रशिक्षित व्यक्तियों को आर्थिक कार्यकलाप करने/स्थापित करने के लिए ऋण दिया गया। समाज में गरीबी रेखा से नीचे रह रहे व्यक्तियों, जिसके लिए केन्द्रों द्वारा सबंधित डीआरडीए से सूची ली जाती है, को भी प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जा रहा है। समेकित रुप से इन केन्द्रों ने अपने आरंभ होने से 411 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनसे 15214 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए।

6.2 रिटेल ऋण

बैंक रिटेल ऋण बढ़ाने पर जोर देता रहा है। बैंक की समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवास ऋण सहित 10 रिटेल योजनाएं हैं। हमारी रिटेल योजनाएं ग्राहकों बैंक की आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रतिस्पर्धी और समाज के सभी वर्गों की आवश्यकता के अनुरूप विशेष रूप से तैयार की गई है। बैंक विशेषीकृत योजनाएं बना रहा है और रिटेल खंड को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित बिल्डिरों तथा ऑटो निर्माताओं के साथ गठबंधन भी किया गया है।

6.3 शिक्षा ऋण

बैंक के शिक्षा ऋण 31.03.2010 को 971.75 करोड़ रहे और इसमें वर्ष दर वर्ष 23% की वृद्धि हुई। बैंक ने छात्रों को सरल शर्तों तथा प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण प्रदान करने के साथ–साथ छात्राओं को 0.50% की रियायती ब्याज दर पर शिक्षा ऋण प्रदान करने हेतु अपने प्रयास जारी रखे। दाखिले के समय शिक्षा संस्थानों में शिक्षा ऋण कैम्प भी लगाए गए।

7. राजकोषीय परिचालन

खाद्य पदार्थों के मूल्य में वृद्धि से हुई मंहगाई के कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपनी सरल मौद्रिक प्रवृति को प्रत्यावर्तित करने की प्रत्याशा से बाजार में आई मंदी के कारण सरकारी प्रतिभूतियों से होने वाली आय कम हो गई परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष में अधिकतम समय अपनी सरल मौद्रिक प्रवृत्ति जारी रखी और जनवरी, 2010 के बाद अपनी मौद्रिक प्रवृत्ति को बदल दिया। ईक्विटी बाजार विश्व में आर्थिक बहाली होने के परिणामस्वरूप सकारात्मक बना रहा। इसके परिणामतः गौण बाजार का पण्यावर्त वर्ष 2008–09 के 28,526 करोड़ रु० से बढ़कर वर्ष 2009–10 में 65,312.05 करोड़ रु0 हो गया। वर्ष 2009–10 के दौरान गौण बाजार के परिचालन से निवल लाभ 423.55 करोड़ रु० रहा। वित्त वर्ष 2009–10 के दौरान, बैंक ने 1271.48 करोड़ रु० के बही मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों को ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (एएफएस) श्रेणी से परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में अंतरित किया और 137.76 करोड़ रु० का मूल्यह्रास दर्ज किया और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार मूल्य वृद्धि को अनदेखा करते हुए 979.59 करोड़ रु० के बही मूल्य की प्रतिभूतियों को परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी से ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (एएफएस) श्रेणी में अंतरित किया। बैंक का कुल निवेश वित्तीय वर्ष 2008–09 के 28658.39 करोड़ रु० के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2009–10 के अंत में बढ़कर 35785.32 करोड़ रु० हो गया। उच्च ब्याज वाली प्रतिभूतियों की परिपक्वता और निम्न ब्याज की प्रतिभूतियां जारी करने के कारण वित्तीय वर्ष 2009–10 में निवेश पर प्रतिफल पिछले वर्ष के 7.63% से घटकर 7.08% रह गया। परिपक्वता तक धारित और बिक्री हेतु आस्तियों का मूल्याँकन क्रमशः दैनिक एवं तिमाही आधार पर किया जाता है और मूल्यह्रास, यदि कोई हो, को तिमाही आधार पर बुक किया जाता है।

8. मर्चेंट बैंकिंग क्रियाकलाप

बैंक एनएसडीएल और सीएसडीएल दोनों में निक्षेपागार भागीदार के रूप में पंजीकृत है। लगभग 78,000 ग्राहक बैंक की डी–मैट सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं और पैन संबंधी अपेक्षा का अनुपालन न करने वाले शून्य शेषराशि वाले खातों को सेबी के निर्देशानुसार बंद कर दिया गया है। वर्ष 2009–10

production, beauty parlour, medicinal plantation, etc. A total of 2323 trained persons were credit linked for pursuing/setting up of economic activities. Emphasis is also given to train candidates from BPL strata of the society for which list of candidates is obtained by the centres from respective DRDA. Cumulatively these centres have conducted 411 training programmes since inception benefiting 15214 candidates.

6.2. Retail Credit

Retail Credit segment continues to be the Thrust area of lending. The Bank is having 10 Retail Credit Scheme including Home loans to meet the requirements of various sections of the society. Our Retail Credit Schemes are customer friendly, competitive and specifically designed to suit all sections of the society. The Bank has been formulating customized schemes and is also having tie-ups with various reputed builders and auto manufacturers to boost its Retail segment.

6.3. Education Loan

The education loan portfolio of the Bank stood at Rs.971.75 crores as on 31.03.10 and showed Y.O.Y. Growth of 23%. Bank continued its efforts for extending education loans to students on soft terms & conditions and competitive rates besides 0.50% concessions in rate of interest is being given to girl students. During the admission season, education loan camps were organized in the campus of the educational institutions.

7. TREASURY OPERATIONS

The G-Sec yields hardened across the curve as the underlying market sentiment was bearish on account of expectations of RBI reversing its easy monetary stance due to increase in Food led Inflation. However RBI continued its easy monetary stance during the major part of the financial year and reversed its monetary stance from January 2010 onwards. The equity market remained positive on account of economic recovery across the globe. Consequent upon this, turnover in the secondary market has increased from Rs.28,526 crore in the year 2008-09 to Rs.65,312.05 crore in the year 2009-10. The net profit from the secondary market operation was Rs.423.55 crore during the year 2009-10. During the Financial Year 2009-10 the bank shifted Government securities having book value of Rs.1271.48 crore from 'Available For Sale' (AFS) category to 'Held To Maturity' (HTM) category and booked depreciation of Rs.137.76 crore and shifted securities having book value of 979.59 from HTM to AFS category ignoring the appreciation as per RBI guidelines. The aggregate investment of the Bank increased to Rs.35785.32 crore at the end of the financial year 2009-10 as against Rs. 28658.39 crore in the FY 2008-09, an increase of 24.87%. The yield on investment has decreased to 7.08% from 7.63% as compared to last year due to maturing of high coupon securities and issuance of securities bearing low coupon in the FY 2009-10. Valuation of HFT & AFS portfolio is done on daily & quarterly basis respectively and depreciation, if any, is booked on quarterly basis.

8. MERCHANT BANKING ACTIVITIES:

The Bank has been registered as Depository Participant with both NSDL & CSDL. Nearly 78,000 customers are availing the demat services of the Bank and PAN non-complaint zero balance accounts have been closed as per SEBI directive. The number of

के दौरान डी–मैट सेवाएं देने वाली शाखाओं की संख्या 106 से बढ़कर 295 हो गई। बैंक अपने ग्राहकों के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्किट सर्विसिज़ के साथ मिलकर ऑनलाइन ट्रेडिंग सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। राजकोषीय वर्ष के दौरान बैंक ने निजी स्थापन आधार पर कुल 300 करोड़ रु० के नवोन्मेषकारी बेमीयादी ऋण लिखत, कॉल आप्शन का प्रयोग न किए जाने के मामले में 10 वर्षों के बाद 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि होने के खंड सहित 9.10% वार्षिक के कूपन पर जारी करके टियर–I पूंजी को बढ़ाया। 17.12.2009 को 27 अभिदाताओं को ये बाण्ड जारी किए गए।

8.1 अवरूद्ध राशि द्वारा समर्थित आवेदन (एएसबीए)

हमारा बैंक अपने ग्राहकों को अवरूद्ध राशि द्वारा समर्थित आवेदन (एएसबीए) सेवा उपलब्ध कराने के लिए सेबी में स्व–प्रमाणित सिण्डीकेट बैंक के रूप में पंजीकृत किया गया। एएसबीए ऐसा आवेदन है, जिसमें स्व–प्रमाणित सिंडीकेट बैंक (एससीएसबी) में रखे गए बैंक खाते में आवेदन राशि को अवरूद्ध करने का प्राधिकार निहित होता है। एएसबीए सुविधा के अंतर्गत किसी निर्गम (आईपीओ/राइट्स इश्यू) में लगाई जाने वाली आवेदन की राशि तब तक ग्राहक के बैंक खाते में रहती है जब तक कि आबंटन नियत नहीं हो जाता और पूरी आवेदन राशि के स्थान पर आबंटित शेयरों के समतुल्य वास्तविक राशि ही डेबिट की जाती है।

9. विदेशी मुद्रा विनिमय कारोबार

वित्त वर्ष 2009–10 में देशी एवं विदेशी दोनों बाजारों की ही गतिविधियों में काफी उथल पुथल रही। सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के आरंभ में वैश्विक मंदी का प्रभाव कम होने लगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक गतिविधियां भी लौट आईं और वैश्विक मांग भी बढ़ गई जिससे हमारे देश में निर्यात को बढ़ावा मिला। सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक की विवेकपूर्ण कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप हमारा देश सबप्राइम संकट से लगभग अछूता रहा। हमारे बैंक का विदेशी मुद्रा के क्षेत्र में कार्यनिष्पादन देशी तथा विदेशी बाजार में कारोबारी गतिविधियों की बहाली के अनुरूप रहा। राजकोषीय वर्ष 2009–10 के दौरान फॉरेक्स टर्नओवर 31.03.2009 के 42500 करोड़ रुपए में 13.60% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31.03.2010 को 49924 करोड़ रुपए हो गया। विदेशी मुद्रा परिचालनों से गैर ब्याज आय में भी पिछले वित्तीय वर्ष के मुकावले 21.51% की वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक मंदी का प्रभाव, जिसने वर्ष 2008–09 के दौरान निर्यात वृद्धि को प्रभावित किया, आलोच्य वित्तीय वर्ष के दौरान प्रत्यावर्तित हो गया। 31.03.2010 को बैंक का निर्यात ऋण 31.03.2009 के 3283 करोड़ रुपए में 20.71% की वृद्धि के साथ 3963 करोड़ हो गया। आलोच्य वर्ष के दौरान 4 और शाखाओं को विदेशी मुद्रा कारोबार के लिए प्राधिकृत किया गया जिससे ऐसी प्राधिकृत शाखाओं की संख्या बढ़कर 87 हो गई। बैंक ने अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा–आधार को बढ़ाने के लिए 37 शाखाओं को एनआरआई कारोबार के लिए भी विनिर्दिष्ट किया है। बैंक प्रधान कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग को नया स्वरूप देने हेतु कार्रवाई कर रहा है ताकि विदेशी मुद्रा कारोबार में हमारे बैंक का अंश वांछित स्तर पर पहुंच सके। बैंक ने तीन एक्सचेंज हाऊसों के साथ अनिवासी भारतीयों के लिए त्वरित धन प्रेषण सुविधा भी आरंभ की है। अधिक से अधिक अनिवासी भारतीय खाते जुटाने के लिए हम एक्सचेंज हाऊसों के साथ गठबंधन को बढ़ावा दे रहे हैं। बैंक ने 31.03.2010 को 1665 करोड़ की अनिवासी जमाराशियां जुटाईं। दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय का परिचालन भी स्थायी हो गया है और ऐसी संभावना है कि हमारे उक्त प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा दुबई में भारतीय प्रवासियों के अनिवासी खातों की मार्किटिंग द्वारा हमारे अनिवासी पोर्टफोलियो में इजाफा हो सकेगा। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान शुल्क आधारित उत्पाद जैसे वैस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। बैंक ने नोस्ट्रो खातों को

branches offering demat services has gone up from 106 to 295 during the year 2009-10. The Bank is also offering online trading services in collaboration with IDBI Capital market services for its customers. During the fiscal year, the Bank raised Tier I Capital through issue of Innovative Perpetual Debt Instrument aggregating Rs.300 crore on private placement basis at the coupon of 9.10% p.a with a step up of 50 bps after 10 years in case the call option is not exercised. The Bonds were allotted to 27 subscribers on 17.12.2009.

8.1 Applications Supported by Blocked Amount (ASBA)

The Bank has been registered with SEBI as Self Certified Syndicate Bank (SCSB) for providing Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) facility to its customers. ASBA is an application containing an authorisation to block the application money in the bank account maintained with SCSB. Under the ASBA facility, the application amount for subscribing to an issue (IPO/Right issue), remains in the bank account of the customer till allotment is finalized and actual amount equal to allotted shares is only debited instead of total application amount.

9. FOREIGN EXCHANGE BUSINESS

The financial year 2009-10 has witnessed remarkable turnaround in domestic as well as overseas market activities. The impact of global meltdown started fading away in the beginning of financial year due to various steps taken by Government. Industrial activities also got revived in the international market and global demand was also strengthened giving support to exports from our country. Our country was almost untouched by subprime crisis thankfully due to prudent actions taken by Government and RBI. The performance of our bank on forex front may be seen as synchronized with revival of business activities in domestic and overseas market. During the fiscal year 2009-10, Forex turnover increased to Rs.49924 Crores as on 31.03.2010 as against Rs.42500 Crore as on 31.03.2009, thus registering a growth of 13.60%. The non-interest income from forex operations also registered a growth of 21.51% over the preceding financial year. The impact of global meltdown which affected the growth of export during the year 2008-09, had however been reversed during the financial year under review. The export credit of the bank stood at Rs.3963 Crores as on 31.03.2010 as against Rs.3283 Crores as on 31.03.2009, thus registering a growth of 20.71%. During the year under review, 4 more branches were authorized to conduct foreign exchange business taking up such authorized branches to 87. Bank has also identified 37 branches for NRI business to augment NRI deposit base. Bank is in the process of revamping the International Banking Division at Head Office so that our Bank's share in foreign exchange business reaches the desired level. Bank has also launched speed remittance facility for NRIs in association with three exchange houses. We are also expanding exchange House remittance tie-ups to garner more & more NRI accounts. The bank has mobilized non resident deposits to the tune of Rs.1665 Crores as on 31.03.2010. The operations at Representative Office at Dubai have also stabilized and it is expected that our non resident portfolio may get boost by marketing non-resident accounts of Indian expatriates at Dubai by our Representative Office. The fee-based products like Western Union Money Transfer have also shown growth during the preceding financial year. Bank has

भी, बेहतर निधि प्रबंधन के लिए, 24 से 17 करके, युक्तियुक्त बनाया है। प्रतिरूप खातों में अधिशेष तथा वायदा स्थिति को प्रत्येक माह के अंत में लागू फेडाई दर पर पुनर्मूल्यांकित किया जाता है।

10. अन्य पार्टी उत्पाद

10.1 जीवन बीमा कारोबार

अप्रैल 2009–मार्च, 2010 के दौरान बैंक ने 121.60 करोड़ रुपए के पहले प्रीमियम की राशि की 38097 पॉलिसियां बेची और 37.10 करोड़ रुपए का कमीशन अर्जित किया।

10.2 सामान्य बीमा कारोबार

बैंक ने सामान्य बीमा कारोबार के अंतर्गत सतत वृद्धि जारी रखी और लगभग 22.00 करोड़ रुपए का प्रीमियम जुटाते हुए 2.77 करोड़ रुपए के कमीशन द्वारा आय अर्जित की।

10.3 म्युचुअल फंड कारोबार

बैंक 4 म्युचुअल फण्ड गृहों के म्युचुअल फण्ड उत्पादों की बिक्री कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान बैंक ने म्युचुअल फण्ड उत्पादों की बिक्री की और इस क्षेत्र के तहत 10.00 करोड़ रुपए की प्रबंधाधीन आस्तियां (ए.यू.एम.) संग्रहित करते हुए 18.00 लाख रु० की आय अर्जित की।

10.4 डीमैट खाते

बैंक एनएसडीएल और सीडीएसएल दोनों का निक्षेपागार भागीदार है। इस कारोबार श्रेणी में इसके 78000 से अधिक खाते हैं और बैंक ने वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान 3.47 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया। बैंक ने अपने डि–मैट खाता धारकों को 276 चयनित शाखाओं के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधा देने के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्किट सर्विसेज लि० के साथ गठबंधन किया है।

10.5 नकदी प्रबंधन

बैंक अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी और आवश्यकता आधारित सीएमएस समाधान प्रदान कर रहा है। बैंक नकदी प्रबंधन सेवाओं के अंतर्गत अपने ग्राहकों को संग्रहण, भुगतान और अभिरक्षक सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक देश भर में ग्राहकों को अपनी शाखाओं के जरिए 117 शहरों में और प्रतिनिधि व्यवस्था के जरिए 500 केन्द्रों पर नकदी प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान 858 करोड़ रुपए से अधिक का टर्नओवर प्राप्त किया और 0.97 करोड़ रुपए की गैर–ब्याज आय अर्जित की।

11. शाखा विस्तार

वर्ष 2009–10 के दौरान बैंक ने 14 विस्तार पटलों का उन्नयन करने के अतिरिक्त 93 नई शाखाएं खोलीं। 31.03.2010 की स्थिति के अनुसार बैंक की कुल शाखाएं 1508 रहीं जबकि 31/03/2009 को इनकी संख्या 1401 थी। मार्च, 2010 के अंत में शाखाओं के जनसंख्या समूहवार वर्गीकरण की स्थिति निम्नानुसार है :

क्र.सं.	वर्गीकरण	31.03.2010	31.03.2009
1.	ग्रामीण	306	282
2.	अर्द्धशहरी	373	341
3.	शहरी	473	443
4.	महानगरीय	356	335
	कुल	**1508**	**1401**

also rationalised the Nostro accounts, reducing from 24 to 17 for better management of funds in Nostro accounts. The balances in the mirror accounts & forward position are revalued at FEDAI rate at every month end.

10. THIRD PARTY PRODUCTS

10.1 Life Insurance Business

During April 2009- March 2010 the Bank sold 38097 policies with First Premium Collection of Rs. 121.60 Crores and has earned commission of Rs. 37.10 Crores.

10.2 General Insurance Business

Under General Insurance Business the Bank has been registering steady growth and has collected around Rs. 22.00 Crores as Premium collections and income by way of Commission Of Rs. 2.77 Crores.

10.3 Mutual Fund Business

The Bank has been selling the Mutual Fund products of 4 Mutual Fund Houses. During the Financial Year 2009-10 the Bank has sold Mutual Fund Products and collected AUM of Rs. 10.00 crores and earned income of Rs. 18 Lacs under this segment.

10.4 Demat Accounts

The Bank is a depository participant for both NSDL and CDSL. It has more than 78000 accounts under this category of business and has recorded a revenue generation of Rs. 3.47 crores in the Financial Year 2009-10. The Bank has tied up with the IDBI Capital Market Services Ltd. for providing Online Trading facilities to its DEMAT Account holders through 276 identified Branches.

10.5 Cash Management

The Bank provides an efficient and tailor-made CMS solution to suit the customer requirements. The Bank is offering Collections, Payments and Custodial Services to the Customers under the Cash Management Services. The Bank has coverage of 117 cities through its own Branches and 500 Locations through Correspondent arrangements offering CMS services to clients across the country. The Bank has registered a turnover of above Rs. 858 Crore and earned non-interest income of Rs. 0.97 Crore during the financial year of 2009-10.

11. BRANCH EXPANSION

During 2009-10, the Bank has opened 93 new branches besides up gradation of 14 Extension Counters. As on 31/03/2010, the total number of branches stood at 1508 as against 1401 as on 31/03/2009. The population group-wise classification of branches as at end- March, 2010 is as under :

Sr.No.	Classification	31.03.2010	31.03.2009
1.	Rural	306	282
2.	Semi-urban	373	341
3.	Urban	473	443
4.	Metropolitan	356	335
	Total	**1508**	**1401**

12. ग्राहक सेवा

बैंक ने ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता लाने के अपने प्रयास में ग्राहक अनुकूल कई सेवाएं आरंभ की है जैसे – मोबाइल बैंकिंग (ओबीसीएमपे) तथा व्यक्तियों तथा कारपोरेट दोनों के लिए इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं, एसएमएस अलर्ट सेवा, बैंक के कुछ एटीएम के जरिए चेक/नकदी जमा करने की सुविधा, एटीएम के जरिए निधि अंतरण (केवल उन्हीं खातों में जो एटीएम कार्ड से संबद्ध हैं), चेक की स्थिति जानने तथा चेक का भुगतान रोकने की सुविधा, जो बैंक के एटीएम पर 24X7 आधार पर उपलब्ध है, चयनित मर्चेन्ट संस्थानों पर बिक्री केंद्र टर्मिनल (पीओएस) की स्थापना, चेक जमा कराने की सुविधा के लिए कुछ शाखाओं में चेक जमा करने की मशीन लगाना जिनमें पावती सूचना स्वयं मशीन द्वारा जनरेट होती है, सेवा करों आदि का ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा आदि। इन सेवाओं की सहायता से ग्राहक अपना लेन–देन आसानी और शीघ्रता से कर सकते हैं। शाखाओं में वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के लिए अलग कतार की व्यवस्था हैं। बचत बैंक खातों में अब 01.04.2010 से दैनिक उत्पाद आधार पर ब्याज दिया जा रहा है।

बैंक ने सभी ग्राहकों को निष्पक्ष, पारदर्शी तथा गुणवत्तापरक सेवाएं प्रदान करने तथा उनकी पूर्ण संतुष्टि के उद्देश्य से वैयक्तिक ग्राहकों के लिए बैंकिंग संहिता तथा भारतीय मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) की स्वैच्छिक संहिता, ऋणदाताओं के लिए निष्पक्ष आचार संहिता, और सूक्ष्म तथा लघु उद्यम संहिता(एमएसई कोड) अपनाई और लागू की हैं। ये संहिताएं बैंक की वेबसाइट पर सूचनार्थ उपलब्ध हैं और ग्राहकों के सूचनार्थ शाखाओं में इनकी मुद्रित प्रतियां भी उपलब्ध है। बैंक की जमा योजनाओं, ऋण योजनाओं, सिटीजन चार्टर, बैंकिंग लोकपाल, लघु उद्योग चार्टर, विदेशी मुद्रा प्रेषण, सेवा प्रभार तथा बैंक नीतियों अर्थात् वित्तीय समावेशन नीति, चेक उगाही तथा प्रतिपूर्ति नीति, शिकायत निपटान नीति, देय राशियों की वसूली एवं प्रतिभूति पर पुनः कब्जे की नीति आदि पर अद्यतन सूचना बैंक की वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में प्रदर्शित की गई है। शाखाओं में भी ये बुकलेट/पैम्फलेट रूप में उपलब्ध है। ग्राहकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए वेबसाइट पर 'शंकाए एवं सुझाव' लिंक प्रदान किया गया है। शाखाओं में शिकायत/सुझाव पेटिकाएं उपलब्ध हैं, जिनमें ग्राहक अपनी शिकायत या सुझाव डाल सकते हैं।

ग्राहकों की शिकायतों के शीघ्र निपटान के लिए वेब आधारित ग्राहक शिकायत निवारण प्रणाली उपलब्ध है। ग्राहकों के खातों संबंधी जानकारी तथा अन्य शंकाओं का जवाब देने के लिए टॉल फ्री संख्या 1800–180–1235 पर एक समर्पित ग्राहक सेवा केंद्र भी स्थापित किया गया है।

ग्राहक सेवा संबंधी बैठक शाखा स्तर, प्रादेशिक कार्यालय स्तर तथा प्रधान कार्यालय स्तर पर नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में नियामक प्राधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उपयुक्त अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। इन बैठकों में ग्राहकों को बैंक की सेवाओं व योजनाओं पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव/प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। बैंक ग्राहकों की अधिकतम संतुष्टि के लिए उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

13. अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंड और काला धन का शोधन निवारण (एएमएल) उपाय

विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनों तथा विनियमों, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों/अनुदेशों व मार्गनिर्देशों का पालन करने के लिए और मुख्यतः आपराधिक तत्वों द्वारा जानबूझकर या अनजाने में उपयोग काला धन शोधन कार्यों के लिए बैंक का प्रयोग करने से रोकने के लिए, ''अपने ग्राहक को जानिए नीति'' बनाई गई है। इस नीति में चार प्रमुख तत्व हैं ''ग्राहक स्वीकरण नीति'', ''ग्राहक पहचान प्रक्रिया'', ''लेन–देनों की

12. CUSTOMER SERVICE

The Bank in its endeavor to achieve excellence in customer service has started many customer friendly services viz. Mobile Banking (OBCmPAY) besides Internet Banking Services both for individuals and corporates, SMS alert service, Cheque/Cash deposit facility through some of the Bank's ATMs. Funds transfer through ATMs (only among accounts linked to a ATM card), facility of Cheque Status Inquiry and Stop cheque payment available 24x7 on Bank's ATMs, deployment of Point of Sale (POS) Terminals at the identified prospective Merchant Establishments, Cheque deposit machines at some of the branches to facilitate cheque deposit with acknowledgment generated by the machine itself, online payment of service taxes etc. These services are helpful for the customers to get their transactions done speedily and easily. For Senior Citizens customers there is provision for separate queue in the branches. In Saving Bank accounts the interest is now being provided on daily products basis with effect from 1.4.2010.

The Bank has adopted and implemented voluntary codes of BCSBI for individual customers , Fair Practice code for lenders, Micro and Small Enterprise (MSEs) code to provide fair , transparent and quality service to all the customers and to provide greatest satisfaction to the customers. The codes are displayed on the Bank's website for information and printed copies are also available at branches for customers information. The updated information on Bank's Deposit Schemes, Loan Schemes, Citizen's Charter, Banking Ombudsman, SSI Charter, Forex Remittances, Service Charges and Bank's Policies viz Financial Inclusion Policy, Cheque Collection and Compensation Policy, Grievance Redressal Policy, Policy on Collection of dues & Repossession of Security etc. have been displayed in Public domain of Bank's website. These are also available at branches in booklet/pamphlet form. "Query & Suggestion" link is provided on website to get feedback from customers. Complaint/Suggestion Boxes are provided at branches where a customer can drop his/her complaint or suggestion.

Web-based Customer Grievance Redressal system is provided for prompt redressal of customers grievances. A dedicated Customer Care Centre on toll free Number 1800-180-1235 has been set up for clarifying the customers account related and other queries.

The Customer Service Meetings are being held regularly at Branch level , Regional Office level and Head Office level. These meetings ensure the proper implementation of guidelines issued by regulatory authorities. The customers are invited to attend these meetings and give their valuable suggestion/feedback on bank's services and schemes. The Bank is committed to give excellent customer service for the customers' maximum satisfaction.

13. KNOW YOUR CUSTOMER (KYC) NORMS AND ANTI-MONEY LAUNDERING (AML) MEASURES

To comply with the various laws and regulations, national as well as international, Govt of India and Reserve Bank of India directives / instructions & guidelines, primarily to prevent the Bank from being used, intentionally or unintentionally, by criminal elements for money laundering activities, 'KYC' Policy has been formulated. The Policy combines four key elements viz. "Customer Acceptance Policy", "Customer Identification Procedures", "Monitoring of

निगरानी'' तथा ''जोखिम प्रबंधन''। इससे बैंक को ग्राहकों व उनके वित्तीय लेनदेनों को बेहतर ढंग से जानने/समझने में सहायता मिलेगी और जोखिम का प्रबंध अधिक विवेकपूर्ण तरीके से करने में सहायता मिलेगी। फील्ड में कार्य कर रहे अधिकारियों द्वारा सख्ती से पालन किए जाने हेतु विस्तृत मार्गनिर्देश एवं अनुवर्ती अनुदेश समय–समय पर दोहराए जाते रहे हैं। काले धन का शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के नए कानून के अनुकरण में बैंक पहले ही वित्तीय आसूचना ईकाई इंडिया (एफआईयू–इंड) को सांविधिक विवरणियां प्रस्तुत करने की अपेक्षा का पालन कर रहा है। बैंक ने केवाईसी/एएमएल मानदंडों के अनुपालन हेतु और संदिग्ध स्वरूप के संव्यवहारों का पता लगाने के लिए सावधानी संकेत (अलर्ट) देने हेतु एक कम्प्यूटर साफ्टवेयर सॉल्यूशन कार्यान्वित कर दिया है। एएमएल कक्ष, संदिग्ध संव्यवहारों को पकड़ने के लिए सिस्टम से इस प्रकार सृजित अलर्ट की समीक्षा करता है ताकि उसे आगे एफआईयू–इंड को प्रस्तुत किया जा सके।

14 बैंक में हिंदी का प्रयोग

बैंक ने वर्ष 2009–10 के दौरान हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त मार्गनिर्देशों/निदेशों का पूरी तरह से पालन करने के संबंध में अपने सार्थक प्रयास जारी रखे। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम 2009–10 में निर्धारित विभिन्न क्षेत्रवार लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु ठोस एवं कारगर कदम उठाए गए।

सरकारी क्षेत्र के बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के लिए रिज़र्व बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता–2008–09 के अंतर्गत बैंक को 'क' क्षेत्र में राजभाषा हिन्दी में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, (उ.), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रादेशिक कार्यालय, दिल्ली को वर्ष 2008–09 के लिए राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता वर्ष 2008–09 के अंतर्गत बैंक को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, उक्त समिति द्वारा आयोजित विभिन्न अंतर बैंक राजभाषा प्रतियोगिताओं में हमारे स्टाफ सदस्यों को पुरस्कृत किया गया।

बैंक में कम्प्यूटर पर हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए आलोच्य वर्ष के दौरान गंभीर प्रयास किए गए। सभी प्रशासनिक कार्यालयों तथा शाखाओं में पर्सनल कम्प्यूटरों में द्विभाषिक वर्ड प्रोसेसर ''आकृति ऑफिस'' साफ्टवेयर उपलब्ध करवाया गया तथा समय–समय पर आयोजित हिन्दी कार्यशालाओं एवं अन्य कार्यक्रमों में स्टाफ़ सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। प्रधान कार्यालय एवं प्रादेशिक कार्यालयों में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों तथा आई टी अधिकारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों द्वारा कम्प्यूटर पर हिंदी यूनिकोड संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। सीबीएस परिवेश में शाखाओं द्वारा बैंक के ग्राहकों को बैंकिंग सुविधाएं हिंदी में भी उपलब्ध कराने की दृष्टि से द्विभाषिक डाटा प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर ''स्क्रिप्ट मैजिक'' बैंक की शाखाओं में लगाया गया तथा आईटी अधिकारियों व राजभाषा अधिकारियों को इस साफ्टवेयर पर कार्य करने संबंधी प्रशिक्षक–प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वर्ष के दौरान, बैंक का ओबीसी वेब पोर्टल हिंदी में भी आरंभ किया गया जिसपर ''ई सर्कुलर्स'' के साथ–साथ होम पेज तथा अन्य सामग्री को द्विभाषिक किया गया जिससे बैंक के सभी स्टाफ़ सदस्य परिपत्र, कार्यपालकों के संदेश, नीतियां, विभिन्न जॉब कार्ड, जमा/ऋण योजनाएं, रिटेल योजनाएं, पता निर्देशिका, एटीएम सूची तथा अन्य सामग्री भी ओबीसी पोर्टल पर हिंदी में देख सकें। बैंक की वेबसाइट द्विभाषी रूप में उपलब्ध है। बैंक के एटीएम व टेलीबैंकिंग में हिंदी का विकल्प उपलब्ध है। कर्मचारियों को कम्प्यूटर पर हिंदी

Transactions" and "Risk Management". This will enable the Bank to know / understand the customers and their financial dealings better and shall further help in managing risks more prudently. The detailed guidelines and subsequent instructions are being reiterated from time to time for strict compliance by field functionaries. The Bank is already complying with the requirement of submission of statutory returns to the Financial Intelligence Unit – India (FIU – IND) as a sequel to the new legislation on prevention of Money Laundering Act – 2002. The Bank has already operationalised Anti Money Laundering Software solution for complying with KYC / AML norms and generation of alerts to detect any suspicious nature transactions. The AML Cell is scrutinizing the alerts generated by the system for detecting any suspicious type of transaction (s) (STRs) for onward submission to FIU-IND.

14. USE OF HINDI IN THE BANK

During the year 2009-10, Bank continued its concerted efforts to further accelerate use of Hindi in its working and to implement the guidelines/directives received from Govt. of India and Reserve Bank of India. Concrete and effective steps were taken to achieve the region wise targets set by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs,Govt. of India in the Annual Programme- 2009-10.

Bank was awarded Consolation prize in 'A' region under Reserve Bank Rajbhasha Shield Competition 2008-09 for Public Sector Banks/Financial Institutions for its good performance in the field of Rajbhasha Hindi. Regional Office, Delhi was awarded Second prize for doing excellent work in Hindi for the year 2008-09 by Regional Implementation Office, Official Language Deptt., Ministry of Home affairs, Govt. of India. The Bank was also awarded first prize under Inter Bank Rajbhasha Shield Competition 2008-09 by the Bank's Town Official Language Implementation Committee, Delhi. Further, our staff members won different prizes in various Inter Bank Competition conducted by the said committee.

During the year under review, concerted efforts were made to propagate use of Hindi on computers. Bilingual word processing software "Akruti Office" has been loaded in the P.Cs installed in all the administrative offices and the branches. The necessary training was imparted to the staff by conducting Hindi workshops as well as other programmes at regular intervals. Hindi Officers and IT Officers of Head Office and regional offices were imparted Hindi Unicode Training on computers by officials of Reserve Bank of India. To provide banking facilities to customers in Hindi also by the CBS branches, the bilingual Data Processing Software Script Magic was installed in the branches of the Bank and IT Officers and Hindi Officers of the Bank were imparted trainers-training regarding use of this software.

During the year, Hindi version of OBC web portal was launched and e-circulars as well as Home page and other contents were made bilingual so that all staff members of the Bank are able to view circulars, executive's messages, policies, various job cards,deposit / loan schemes, retail schemes, branch directory, ATM list and other contents in Hindi on the portal. Bank`s website is available in bilingual form. The option of Hindi is available on ATMs and Telebanking. IT Ready Reckoner was made available

में सरलतापूर्वक काम करने हेतु आई टी सहायिका भी हिंदी में तैयार की गई।

बैंक की त्रैमासिक गृह पत्रिका "आधार" के सभी अंक नियमित रूप से हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किए गए। बैंक के प्रादेशिक कार्यालयों द्वारा प्रादेशिक कार्यालय स्तर पर त्रैमासिक प्रादेशिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया गया।

15. वसूली

राजकोषीय वर्ष 2009–10 के दौरान, सभी स्तरों पर वसूली के गंभीर प्रयास जारी रखे गए, जिसके परिणामतः बैंक ने 399.34 करोड़ रुपए की नकद वसूली की। नकद वसूली में से 133.09 करोड़ रुपए की राशि बैंक के राजस्व में जोड़ी गई। बैंक ने वसूली कैम्पों, एमएसई उधारकर्ताओं के लिए एकबारगी समझौता योजना, 1.00 लाख रु० तक के बकाया राशि वाले एनपीए खातों के लिए विशेष एकबारगी समझौता योजना, लोक अदालत, सरफेसी अधिनियम के प्रावधानों तथा बैंक की सामान्य समझौता नीति जैसी विभिन्न वसूली पद्धतियों का भी प्रभावपूर्ण उपयोग किया। तथापि, वैश्विक मंदी के प्रभाव के कारण बैंक के एनपीए पिछले वित्त वर्ष की तुलना में बढ़ गए जिसके परिणामस्वरूप कुल अग्रिमों में कुल एनपीए का प्रतिशत तदनुरूपी वर्ष के 1.53% से बढ़कर 1.74% हो गया।

बैंक बढ़ती हुई चूकों को न्यूनतम करने के लिए अपनी वसूली पद्वति को सुदृढ़ बनाने के सभी संभव प्रयास कर रहा है।

16. मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण

बैंकिंग उद्योग के लिए वर्ष 2009–2010 चुनौतीपूर्ण रहा। भारतीय बैंकिंग ने परिवर्तित बैंकिंग परिदृश्य को बखूबी अपनाया और अपनी वित्तीय प्रणाली में पुनः विश्वास पैदा करने और सामंजस्य स्थापित करने में सहायक रही। इस परिवर्तित आर्थिक परिवेश में कौशल–उन्नयन जरूरी हो गया है। बैंक ने व्यापक प्रशिक्षण प्रक्रिया द्वारा इन अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया गया :–

ऋण प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, लघु एवं मध्यम उद्योगों को ऋण देने संबंधी नीतियां, तकनीकी कौशल उन्नयन, बैंक उत्पादों का विपणन, नए भर्ती हुए अधिकारियों/कर्मचारियों का प्रवेश कार्यक्रम, सीबीएस में सामान्य बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित उत्पाद, राजकोषीय प्रबंधन, जोखिम रेटिंग, कार्यपालकों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम, अनु.जा./अनु.ज.जाति/अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण नीति, मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली आदि।

उपरोक्त विषयों और बैंकिंग के अन्य क्षेत्रों में कुल 394 कार्यक्रमों में 9325 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा, एनआईबीएम, पुणे, कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे, भारतीय बैंक संघ, एमडीआई, गुड़गांव, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद आदि जैसे कई शीर्ष प्रशिक्षण संस्थाओं में महत्वपूर्ण परिचालनपरक और व्यवहारपरक क्षेत्रों में आयोजित उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी 1337 अधिकारियों को नामित किया गया। कई वरिष्ठ/सर्वोच्च प्रबंधन अधिकारियों को भी विदेश में प्रशिक्षण हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ताकि वे श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय कार्यविधियों तथा भारतीय बैंकिंग पर उनके प्रभाव को जान सकें।

वर्ष 2009–10 के दौरान, 221 परिवीक्षा अधिकारियों, 812 लिपिकों तथा प्रबंधक (सू.प्रौ.), विपणन प्रबंधक, कृषि अधिकारियों आदि जैसे विभिन्न ग्रेड और विषयों में 243 विशेषज्ञ अधिकारियों की भर्ती की गई। इसके अलावा, बैंक में 313 परिवीक्षा अधिकारियों, 916 लिपिकों तथा विपणन, कृषि, सूचना

in Hindi for the convenience of the employees.

All the editions of Bank's quarterly In-House Magazine "AADHAAR" were published regularly in bilingual form i.e. in Hindi and English. Quarterly In-House magazines were published by Regional Offices at Regional Office level.

15. RECOVERY

During the Financial Year 2009-10, concerted recovery efforts continued at all levels and consequently, the Bank could effect cash recovery of Rs.399.34 crore. Out of cash recovery a sum of Rs.133.09 crore has added to the Revenue of the Bank. The bank has effectively utilized the various recovery mechanism e.g. holding recovery camps, One Time Settlement Schemes for MSE borrowers and Special One Time Settlement Scheme for NPA accounts with outstanding upto Rs.1.00 lac, Lok Adalat, provisions of SARFAESI Act and general settlement policy of the Bank. However, due to the impact of global recession, the NPA of the Bank has increased in comparison to the previous financial year resulting in increase in Gross NPA percentage to gross advances to Rs.1.74% as against 1.53% of corresponding year.

The Bank is taking all possible efforts to strengthen the recovery mechanism to minimize the higher delinquencies.

16. HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT & TRAINING

The year 2009 -2010 has been the year of challenges for the Banking industry. The Indian Banking adapted to the changed Banking scenario admirably and helped in renewing the confidence levels and confirming resilience in our financial system. The changed economic environment has necessitated up-gradation of skill sets. The Bank has endeavored to match these requirements through extensive process of training. The focus of training during the year was on the following areas:-

Credit Management, Risk Management, Forex Management. Lending Strategies to SMEs, Soft Skills Development, Marketing of Bank's Products, Induction Programmes for newly recruited officials, General Banking in CBS, IT enabled Products, Treasury Management, Risk Ratings, Management Development Programmes for Executives, SC/ST/OBC Reservation policy, Human Resources Management System etc.,

In 394 programmes 9325 employees were imparted training in the above streams and other areas of Banking. In addition, 1337 officers were nominated in Advanced Training Programmes in key operational and behavioral areas in pioneering institutions like NIBM Pune, College of Agriculture Banking Pune, Indian Banks Association, MDI, Gurgaon, Indian Institute of Management, Ahmedabad, Administrative Staff College of India, Hyderabad, NIBSCOM, Noida etc., to quote a few. Few senior and top management functionaries were deputed for overseas training to give exposure to international best practices and their impact in Indian Banking.

During the year 2009-10, the Bank recruited 221 Probationary Officers, 812 Clerks and 243 Specialist Officers in different grades and streams such as Manager (IT), Marketing Managers, Agriculture Officers etc., Further the process for recruitment of 313 Probationary Officers, 916 Clerks and 373 officers in the Specialist

प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, विदेशी विनिमय, विधि, मानव संसाधन विकास आदि के विशेष संवर्ग में 373 अधिकारियों की भर्ती प्रकिया जारी है। 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार बैंक में कुल कर्मचारियों की संख्या 15358 है, जिसमें 7989 अधिकारी, 4799 गैर–अधीनस्थ तथा 2570 अधीनस्थ कर्मचारी हैं।

बैंक ने अनु०जा०/अनु०ज०जा०/अन्य पिछड़े वर्ग के/शारीरिक रूप से विकलांग/भूतपूर्व सैनिकों कर्मयों को निर्धारित रियायतें/छूट प्रदान करने के साथ–साथ आरक्षण संबंधी सभी सरकारी दिशानिर्देशों का पालन किया। अनु०जा०/अनु०ज०जा०/अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की शिकायतें, यदि कोई हों, सभी प्रादेशिक कार्यालयों और प्रधान कार्यालय में संपर्क अधिकारी/मुख्य संपर्क अधिकारी की देख–रेख में अनु०जा०/अनु०ज०जा० एवं अन्य पिछड़े वर्ग कक्षों के माध्यम से दूर की गई। बैंक ने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गनिर्देशों के अनुसार, पदोन्नति में अनु०जा०/अनु०ज०जा० के रिक्त पदों के बैकलॉग को भरने के लिए विशेष अभियान भी चलाया।

निदेशक मंडल

वर्ष 2009–10 के दौरान निदेशक मंडल की 12, मंडल की प्रबन्ध समिति की 20 और मंडल की लेखापरीक्षा समिति की 6 बैठकें हुईं।

वर्ष के दौरान श्री टी.वाई. प्रभु, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने, तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आलोक के. मिश्रा के पदोन्नत होने पर बैंक ऑफ इंडिया में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण करने पर, दिनांक 27.08.2009 को बैंक में कार्य ग्रहण किया। बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9(3)(छ) एवं 9(3)(च) के अंतर्गत नियुक्त हुए दो निदेशक, श्री वी. विजय साई रेड्डी एवं श्री कमल भूषण क्रमशः दिनांक 13.12.09 तथा 22.11.09 को, उनका कार्यकाल समाप्त हो जाने पर, अधिसूचनाओं के अनुसार बैंक के मंडल से सेवानिवृत्त हो गए।

निदेशकों का दायित्व कथन

निदेशक पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष हेतु वार्षिक लेखे तैयार करने में,

(क) महत्वपूर्ण परिवर्तनों, यदि कोई हों, के संबंध में लागू लेखांकन मानकों को, उपयुक्त स्पष्टीकरण के साथ अपनाया गया है।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुसार तैयार की गई लेखांकन नीतियां निरंतर लागू की गईं।

(ग) वित्त वर्ष के अंत में बैंक के कार्यों तथा 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लाभ का सही एवं सच्चा चित्र सामने आ सके, इसके लिए विवेकपूर्ण निर्णय एवं प्राक्कलन किए गए।

(घ) भारत में बैंकों पर लागू नियमों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्ड रखने के लिए सम्यक एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई तथा लेखे लाभकारी संस्थान आधार पर तैयार किए गए।

आभार

निदेशक मंडल आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक तथा अन्य सरकारी एवं नियामक एजेंसियों का उनके द्वारा वर्ष भर बैंक को दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन और सतत सहयोग के लिए धन्यवाद करता है। निदेशक मंडल अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों, सम्मानित शेयरधारकों, पण्यधारकों तथा जनसाधारण का उनके संरक्षण और बैंक के प्रति दर्शाए गए उनके विश्वास के लिए आभार प्रकट करता है।

cadre of Marketing, Agriculture, IT, Security, Forex, Law, HRD etc., is under way. The total staff strength as on 31st March 2010 is 15358 comprising of 7989 officers, 4799 Non-subordinates and 2570 subordinates.

The Bank complied with Government guidelines in respect of reservation in recruitment and promotion for SC/ST/OBC/PWD/ Ex-servicemen besides extending concessions/relaxation as prescribed. The grievances of SC/ST/OBC employees, if any, were resolved through SC/ST and OBC cells created at all Regional Offices and at Head Office under the charge of Liaison Officers/ Chief Liaison Officer. The Bank also launched a Special Drive to fill up the backlog of SC/ST vacancies in promotion as per the guidelines of the Ministry of Finance, Govt. of India.

BOARD OF DIRECTORS

During 2009-2010, 12 meetings of Board of Directors, 20 meetings of Management Committee of Board & 6 meetings of Audit Committee of Board were held.

During the year, Sh.T.Y Prabhu, Chairman and Managing Director, took charge of the Bank on 27.08.09 after the elevation of Sh.Alok K Misra to the post of Chairman and Managing Director of Bank of India. Two Directors namely Sh.V Vijay Sai Reddy & Sh.Kamal Bhushan, Directors appointed under Sec 9 (3) (g) & Sec 9(3)(f) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980, as per their notifications, retired from the Board of the Bank due to expiry of their term on 13.12.09 and 22.11.09 respectively.

DIRECTOR'S RESPONSIBILITY STATEMENT

The Directors confirm that, in the preparation of the Annual Accounts for the year ended 31st March, 2010

(a) the applicable standards have been followed along with proper explanation relating to material departures, if any,

(b) the accounting policies framed in accordance with the guidelines of the Reserve Bank of India, were consistently applied,

(c) reasonable and prudent judgment and estimates were made so as to give true and fair view of the state of affairs of the Bank at the end of financial year and of the profits of the Bank for the year ended on 31st March, 2010,

(d) proper and sufficient care was taken for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of applicable laws governing banks in India and the accounts have been prepared on a going concern basis.

ACKNOWLEDGEMENTS

The Board of Directors thanks Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs and Reserve Bank of India and other Government & Regulatory Agencies for their valuable guidance and continued support provided to the Bank throughout the year. The Board of Directors are also grateful to the valued customers, esteemed shareholders, stakeholders and public at large for their patronage and confidence reposed in the Bank.

निदेशक मंडल बैंक के सर्वांगीण विकास, प्रगति और समृद्धि में प्रत्येक स्टाफ सदस्य द्वारा दिखाई गई प्रतिबद्धता, योगदान और समर्पण भावना की सराहना करता है और आगामी वर्ष में कारपोरेट लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उनके निरंतर सहयोग और पूर्ण समर्थन की आशा रखता है।

The Board of directors place on record their great appreciation of the commitment, sense of involvement and dedication exhibited by each staff member in the overall development, growth and prosperity of the Bank and look forward to their continued support and whole-hearted co-operation for realization of the corporate goals in the year ahead.

मंडल के लिए और उनकी ओर से

For and on behalf of the Board

नई दिल्ली
29 अप्रैल, 2010

(टी. वाई. प्रभु)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

New Delhi
29th April 2010

(T. Y. PRABHU)
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR